भूमिका

मैं 8 नवम्बर, 1948 को पैदा हुआ।

मेरी जन्मभूमि नासिक है।

लेकिन मुझे वहाँ रहने का बहुत कम अवसर मिला है।

मैं एक आवारागर्द सैलानी हूँ।

मैं गाँव-गाँव, शहर-शहर में घूमता हूँ और सदा चक्कर में रहता हूँ।

जहाँ जाता हूँ लोग मुझे हाथों-हाथ लेते हैं, और मुखरित चेहरे से मेरा स्वागत करते हैं।

इस दुनिया में मेरा कोई दुश्मन नहीं है, सब मेरे दोस्त हैं, सब मुझे दिल से चाहते हैं।

मैंने अपने छोटे-से जीवन में बहुत-कुछ देखा है, सीखा है, खोया है।

लेकिन, अपने जीवन के बहुतेरे अनुभवों के बावजूद एक बात मैं बेखटके कह सकता हूँ कि अपनी छोटी-सी ज़िन्दगी में मैंने जो ख्याति और लोकप्रियता प्राप्त कर ली है वह बहुत कम लोगों को मिलती है।

आज तक किसी बड़े-से-बड़े राजनेता, समाज-सुधारक या फिल्म स्टार को भी वह प्रसिद्धि और लोकप्रियता नहीं मिली जो मुझे मिल चुकी है।

भारत का बच्चा-बच्चा मुझे जानता है, पहचानता है और सम्मान करता है।

मैं दस रूपये का नोट हूँ।

[कृश्न चन्दर से]